(011)

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़

Email:- registrar.rmpu@gmail.com

पत्रांकः–आर0एम0पी0यू0/032 /2026 दिनांकः– 08 जनवरी 2026

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 06–07 फरवरी 2026 का भोपाल में शोध शेखर के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन **(ICSSR)** के सहयोग से किया जा रहा है। जिसका विषय **"भारतीय ज्ञान परम्परा मूल और विकास"** इसमें प्राचीन भारतीय साहित्य, हिन्दी भाषा, साहित्य, संस्कृति और सम्बन्धित क्षेत्रों पर सार्थक चर्चा और विचार–मंथन होगा। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संदर्भ में समस्त विवरण संलग्न किया जा रहा है।

08-1-26

(श्री प्रबुद्ध सिंह)
पी0सी0एस0
कुलसचिव

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक हेतु प्रेषित–

1. उप कुलसचिव, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
2. निजी सचिव, मा0 कुलपति, मा0 कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
3. गार्ड फाइल।

कुलसचिव

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान परंपरा: मूल एवं विकास

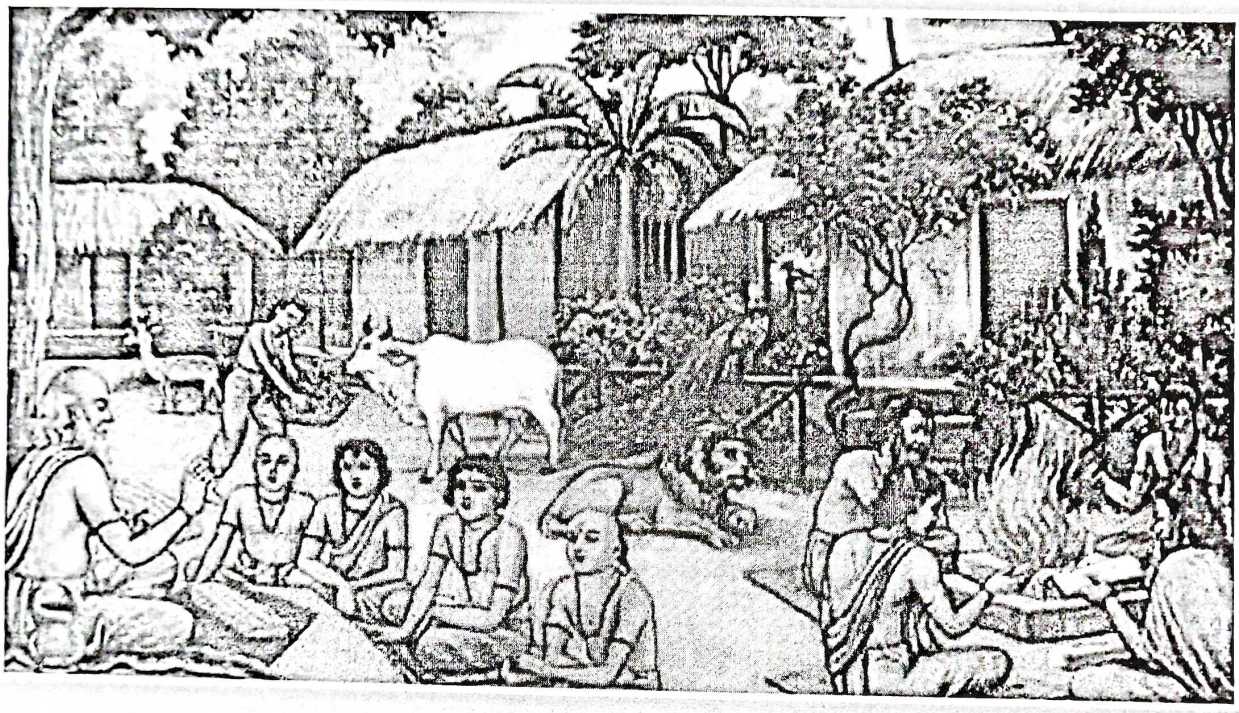

06–07 फरवरी, 2026

(माघ मास के शुक्ल पक्ष षष्ठी और सप्तमी तिथि, विक्रम संवत 2082)

सहयोगी संस्था:

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)

आयोजक

संस्कृत, प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, मानविकी एवं उदार कला संकाय

विश्व रंग फाउंडेशन, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल

विषय और उपविषय

- **भारतीय ज्ञान परंपरा: प्राचीन विरासत से आधुनिक संदर्भ तक**
  - भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल अवधारणा
  - ऐतिहासिक विकास
  - भारतीय ज्ञान परंपरा की समकालीन प्रासंगिकता
- **भारतीय ज्ञान परंपरा के मूलभूत सिद्धांत**
  - वेद, उपनिषद और दर्शन: ज्ञान की उत्पत्ति।
  - वेदों और उपनिषदों में चरित्र निर्माण के सिद्धांत
  - महाभारत और रामायण में आदर्श चरित्र के उदाहरण
  - भगवद्गीता के नैतिक और व्यवहारिक पक्ष
  - बौद्ध और जैन परंपरा में चरित्र निर्माण का महत्व
  - प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली और नैतिक मूल्यों का विकास
  - चरित्र निर्माण में गुरुकुल परंपरा की भूमिका
  - शिक्षा, नैतिकता और मानविकी के पुनर्संयोजन में साहित्य की भूमिका
- **भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य और कला का योगदान**
  - महाभारत, रामायण और पुराण: ज्ञान का लोकव्यापीकरण।
  - भारतीय नाट्य शास्त्र और संगीत का विकास।
  - हस्तशिल्प, वास्तुकला और चित्रकला में ज्ञान का उपयोग।
  - कला और साहित्य के माध्यम से लैंगिक समानता और सशक्तिकरण
  - लोककला और लोकसाहित्य की आधुनिक प्रासंगिकता
  - भारतीय सौंदर्यबोध और समकालीन कला विमर्श
  - सिनेमा, रंगमंच और हस्य कलाएँ समाज का दर्पण
  - भारतीय संगीत और नृत्य में समाज और समय का प्रतिबिंब
- **भारतीय ज्ञान परंपरा और योग-ध्यान**
  - योग और ध्यान: भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक प्रासंगिकता।
  - आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में निहित ज्ञान।
  - भक्ति और तांत्रिक परंपराएँ।
- **भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक प्रभाव**
  - बौद्ध और जैन परंपरा का एशिया और विश्व पर प्रभाव।
  - भारतीय गणित और विज्ञान का अरब और यूरोप पर प्रभाव।
  - वैश्विक स्तर पर योग, ध्यान और आध्यात्मिकता का प्रसार।
- **ज्ञान परंपरा का आधुनिक संदर्भ और पुनरुद्धार**
  - आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा का स्थान।
  - प्रौद्योगिकी के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा का उपयोग।
  - सांस्कृतिक संरक्षण और ज्ञान परंपरा का पुनर्जीवन।
  - डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर नई अभिव्यक्तियाँ: ब्लॉग, पॉडकास्ट और वेब साहित्य
  - कृत्रिम बुद्धिमता के विविध आयाम बदलते परिदृश्य के विशेष सन्दर्भ में
- **भारतीय ज्ञान परंपरा और पर्यावरण**
  - प्राचीन भारत में पर्यावरणीय ज्ञान और स्थिरता।
  - पंचमहाभूत और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व।
  - पर्यावरणीय संकटों के समाधान में भारतीय परंपराओं की प्रासंगिकता।
  - पर्यावरण, शांति और सतत विकास में साहित्यिक-सांस्कृतिक एवं आर्थिक योगदान
- **भारतीय ज्ञान परंपरा और समाज**
  - जाति, लिंग और सामाजिक न्याय पर भारतीय दृष्टिकोण।
  - समाज सुधार आंदोलनों में भारतीय ज्ञान परंपरा का योगदान।
  - वैश्वीकरण के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा की सामाजिक प्रासंगिकता।

पंजीयन शुल्क

अध्यापकों एवं शोधार्थी के लिए ₹ 1000/-

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त विषय से संबंधित अन्य विषय भी समानान्तर जोड़े जा सकेगें। निर्धारित विषय पर मौलिक एवं तथ्यात्मक शोध पत्र हिन्दी / अंग्रेजी में आमंत्रित है। शोध पत्र 3000 से 5000 एवं शोध सारांश (300 शब्दों में) के साथ प्रेषित करना अपेक्षित है।

शोध पत्र A-4 साइज में (हिन्दी/यूनिकोड और मंगल फॉन्ट में साइज 12 अंग्रेजी में टाइम्ज न्यू रोमन और एरिल फॉन्ट साइज 12 लाइन स्पेज 1.5 में होना अनिवार्य है। संदर्भ APA 6 वॉ संस्करण (APA 6th Edn.) के अनुसार होना आवश्यक है।

शोध पत्र भेजने एवं **पंजीयन की अंतिम तिथि: 15 जनवरी 2026**

Email Id- nseminar2026@gmail.com
Registration Link https://forms.gle/1XZUbgLjSBcp1ADF8
Bank Account Detail : Name - Rabindranath Tagore University
: **Punjab National Bank**
: **A/C No.-** 3227002100050952
: **IFSC Code-** PUNB0655300

Contact Detail

Dr. Sanjay Dubey
91+8506862954

Dr. Varun Kumar
91+9312179624

Dr. Savitri Singh Parihar
91+9425021063

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल की ओर से हार्दिक अभिवादन !

आपको विदित कराते हुए हर्ष हो रहा है कि रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 06-07 फरवरी 2026 को भोपाल में शोध शेखर के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन (ICSSR) के सहयोग से किया जा रहा है। जिसका विषय "भारतीय ज्ञान परम्परा

मूल और विकास" है इसमें प्राचीन भारतीय साहित्य, हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति और संबंधित क्षेत्रों पर सार्थक चर्चा और विचार-मंथन होगा। संगोष्ठी हेतु शोधार्थियों से प्राप्त सुझाव के आधार पर शुल्क निर्धारित की गयी है। जो इस प्रकार है- शिक्षकों एवं शोधार्थी के लिए शुल्क रु. 1000/- प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, किट एवं दोपहर के भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी।

हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि अपने संस्थान से इस आयोजन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। आपका सहयोग भारतीय ज्ञान परम्परा को सशक्त करने और एक जीवंत शोध समुदाय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पंजीकरण लिंक: **https://forms.gle/1XZUbgLjSBcp1ADF8**
Email id: **nseminar2026@gmail.com**

अधिक जानकारी या पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें।

संपर्क सूत्रः

डॉ. सावित्री सिंह **परिहार -91-9425021063,**
डॉ संजय दुबे 8506862954
डॉ वरुण चौबे 9312179624

हम आपके संस्थान की सक्रिय भागीदारी के साथ इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए उत्सुक हैं। आपके समय और सहयोग के लिए धन्यवाद।

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल

You can update your preferences on the type of emails you want to receive from us Mailing Preferences

If you wish to opt out of all type of emails, click Unsubscribe